निरीक्षण आख्या

निरीक्षण अधिकारी	–	**सीमा जौनसारी,** **निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड।**
निरीक्षित विद्यालय का नाम	–	**रा0प्रा0वि0 घट्टूगाड, यमकेश्वर, पौड़ी गढ़वाल।**
निरीक्षण तिथि	–	**22.09.2015**

विद्यालय में श्रीमती सरिता नेगी, प्रधानाध्यापिका उपस्थित थीं। सहायक अध्यापिका श्रीमती मालती बिष्ट बाल्य देखभाल अवकाश पर थीं।

निरीक्षण के दिन विद्यालय की उपस्थिति निम्नवत् थी–

कक्षा	पंजीकृत	उपस्थित	अनुपस्थित
1	4	4	0
2	7	7	0
3	3	3	0
4	4	4	0
5	8	8	0
योग	**26**	**26**	**0**

विद्यालय का प्रांगण स्वच्छ था। कक्षाऐं व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण रुप से संचालित थीं। प्रधानाध्यापिका विद्यालय में नयी आयीं हैं। उनके द्वारा गणित के सवालों को तालिका बनाकर सरल विधि से बच्चों को समझाया जा रहा था। उनका प्रयास सराहनीय है।

कुछ बच्चे अक्षर इ और क में अन्तर नहीं बता पाये। निरंतर अभ्यास कराये जाने की आवश्यकता है। कक्षों में पर्याप्त चार्ट लगे हैं। खेलने के लिए फिसलपट्टी की व्यवस्था भी है।

वर्तमान सत्र में विद्यालय में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का शिविर नहीं लगा है।

5/10/15

(सीमा जौनसारी)
निदेशक,
प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड।

पृ0सं0– स्टा0ऑ0/ 14527–30 **/ निरीक्षण/2015–16 दिनांक** 05 **अक्टूबर, 2015।**

प्रतिलिपि– निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1 महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2 जिला शिक्षा अधिकारी, प्रा.शि. पौड़ी गढ़वाल।
3 उप शिक्षा अधिकारी, यमकेश्वर, पौड़ी गढ़वाल।
4 कार्यालय प्रति।

(सीमा जौनसारी)
निदेशक।

निरीक्षण आख्या

निरीक्षण अधिकारी	–	**सीमा जौनसारी,** **निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड।**
निरीक्षित विद्यालय का नाम	–	**रा0उ0प्रा0वि0 घट्टूगाड, यमकेश्वर, पौड़ी गढ़वाल।**
निरीक्षण तिथि	–	**22.09.2015**

विद्यालय में कार्यरत श्रीमती सुनीता भट्ट बाल्य देखभाल अवकाश पर थीं। सुश्री सुमन नेगी उपस्थित थीं तथा श्री महिपाल सिंह राणा नई शिक्षा नीति की गोष्ठी में भाग लेने गये थे।

निरीक्षण के दिन विद्यालय की उपस्थिति निम्नवत् थी–

कक्षा	पंजीकृत	उपस्थित	अनुपस्थित
6	9	9	0
7	12	11	1
8	7	7	0
योग	28	27	1

निरीक्षण मध्याहन के पश्चात हुआ। तत्समय तक मध्याहन भोजन के पश्चात कक्षाऐं शांतिपूर्ण रुप से संचालित थीं। विद्यालय का परिसर स्वच्छ था।

कक्षा 7 के छात्र हिन्दी का पैराग्राफ पढ़ सकते हैं, किन्तु वाचन का प्रवाह उत्तम स्तर का नहीं है। कक्षा 6 में गणित का वादन चल रहा था। कक्षों में ज्यामितीय आकृतियां, जलचक्र, कोंण व त्रिभुज के चार्ट लगाए गये हैं। कक्षा 6 की छात्राऐं हिमानी व सोनाक्षी सोलर सिस्टम के बारे में बता सकतीं थीं। छात्रों को अंग्रेजी में अक्षरों की बनावट बराबर बनाये जाने के बारे में बताये जाने की आवश्यकता है। छात्र अजय Nature की स्पेलिंग तथा 'त्रिभुज' के शब्द नहीं लिख पाये।

चतुर्भुज के विभिन्न रुपों की अवधारणा स्पष्ट किये जाने की आवश्यकता प्रतीत हुई। विद्यालय का भौतिक एवं शैक्षिक वातावरण ठीक पाया गया। एकल अध्यापिका द्वारा विद्यालय को उपयुक्त रुप से व्यवस्थित किया गया था। आत्मविश्वास में अभिवृद्धि की अपेक्षा की जाती है।

वर्तमान सत्र में विद्यालय में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का शिविर नहीं लगा है।

5/10/15

(सीमा जौनसारी)
निदेशक,
प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड।

पृ0सं0– स्टा0ऑ0/ 14531–34 **/ निरीक्षण/2015–16 दिनांक** 05 **अक्टूबर, 2015।**

प्रतिलिपि– निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1 महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2 जिला शिक्षा अधिकारी, प्रा.शि. पौड़ी गढ़वाल।
3 उप शिक्षा अधिकारी, यमकेश्वर, पौड़ी गढ़वाल।
4 कार्यालय प्रति।

(सीमा जौनसारी)
निदेशक।

निरीक्षण आख्या

निरीक्षण अधिकारी – **सीमा जौनसारी,**
निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड।

निरीक्षित विद्यालय का नाम – **रा0प्रा0वि0 नीलकंठ(तोली), यमकेश्वर, पौड़ी गढ़वाल।**

निरीक्षण तिथि – **22.09.2015**

विद्यालय में एक प्रधानाध्यापिका एवं एक सहायक अध्यापक कार्यरत हैं तथा विद्यालयी कार्यों में सहयोग हेतु विद्यालय प्रबन्ध समिति द्वारा एक शिक्षित युवती को लगाया गया है।

निरीक्षण के दिन विद्यालय की उपस्थिति निम्नवत् थी–

कक्षा	पंजीकृत	उपस्थित	अनुपस्थित
1	8	8	0
2	5	5	0
3	3	3	0
4	10	9	1
5	12	12	0
योग	**38**	**37**	**1**

कक्षा 1 के छात्र शिवांशु रावत, रीना, सिमरन पंवार, सिमरन राणा, काजल व रुपाली रावत तीन अक्षरों के शब्दों का अभ्यास कर रहे थे। कक्षा 3 की छात्रा हिमांशी रावत पैराग्राफ पढ़ सकती है। कक्षा 1 का छात्र अनमोल 2 अंकों का योग कर सकता है। कक्षा 3 के छात्र अरमान द्वारा ही अपना नाम अंग्रेजी में लिख पाया गया।

विद्यालय पुस्तकालय में पुस्तकें उपलब्ध हैं तथा विद्यालय में रॉल चार्ट बना हुआ है। टी0एल0एम0 को अतिरिक्त कक्ष में रखा हुआ है। टी0एल0एम0 की बहुतायत है किन्तु उसका प्रयोग कक्षा शिक्षण में किया जाना ही अभीष्ट होगा।

विद्यालय में भवन के साथ–साथ दो कक्षा–कक्ष, किचन एवं शौचालय निर्मित हैं। किचन शेड में भूधंसाव के कारण दरार दिखायी दे रही हैं। सम्प्रति किचन पुराने कक्ष में संचालित है। पृथक से एम0डी0एम0 हेतु भोजनालय भी निर्मित है।

विद्यालय का प्रांगण साफ–सुथरा एवं सुन्दर है। कक्षा–कक्ष स्वच्छ एवं सुसज्जित हैं। सभी विद्यार्थियों के लिए काष्ठोपकरण की व्यवस्था की गयी है। विद्यालय के प्रवेश मार्ग को भी प्रांगण की भांति स्वच्छ एवं सुन्दर बनाये जाने का सुझाव है। छोटी कक्षाओं में दक्षतानुसार समूह बनाकर बैठक व्यवस्था की गयी है। अध्यापिका का प्रयास सराहनीय है।

वर्तमान सत्र में विद्यालय में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का शिविर नहीं लगा है।

5/10/15

(सीमा जौनसारी)
निदेशक,
प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड।

पृ0सं0– स्टा0ऑ0/ / निरीक्षण/2015–16 दिनांक सितम्बर, 2015।

प्रतिलिपि– निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1 महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2 जिला शिक्षा अधिकारी, प्रा.शि. पौड़ी गढ़वाल।
3 उप शिक्षा अधिकारी, यमकेश्वर, पौड़ी गढ़वाल।
4 कार्यालय प्रति।

(सीमा जौनसारी)
निदेशक।

निरीक्षण आख्या

निरीक्षण अधिकारी – सीमा जौनसारी,
निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड।

निरीक्षित विद्यालय का नाम – रा0प्रा0वि0 रत्तापानी, यमकेश्वर, पौड़ी गढ़वाल।

निरीक्षण तिथि – 22.09.2015

विद्यालय में कार्यरत प्रधानाध्यापिका श्रीमती सुमन ग्वाड़ी बाल्य देखभाल अवकाश पर थीं तथा सहायक अध्यापक श्री दामोदर प्रसाद उपस्थित थे।

निरीक्षण के दिन विद्यालय की उपस्थिति निम्नवत् थी–

कक्षा	पंजीकृत	उपस्थित	अनुपस्थित
1	2	0	2
2	6	2	4
3	2	2	0
4	2	2	0
5	4	3	1
योग	16	9	7

निरीक्षण के समय विद्यालय में प्रार्थना सभा चल रही थी। सभी विद्यार्थी गणवेश में थे एवं दो पंक्तियों में खड़े थे। प्रार्थना लयबद्ध थी। राष्ट्रगान के समय यह पाया गया कि छोटी कक्षाओं के विद्यार्थियों को राष्ट्रगान पूर्णतया याद नहीं है। कुछ शब्दों के उच्चारण में उन्हें कठिनाई हो रही थी। अध्यापकों से यह अपेक्षा है कि वे प्रार्थना, देशगान, राष्ट्रगान का छंदवार अभ्यास करायें और उसका अर्थ भी बच्चों को समझाएं, जिससे बच्चे गीत की भावना को भी आत्मसात कर सकें। यह अच्छा प्रयास था कि प्रार्थनासभा की गतिविधियां अध्यापक स्वयं संचालित कर रहे थे। पी0टी0 भी कराई जा रही थी।

विद्यालय में कम छात्र संख्या के दृष्टिगत यह ज्ञात किया गया कि क्षेत्र की सेवित जनसंख्या को क्या विद्यालय का पूरा लाभ मिल रहा है। सहायक अध्यापक द्वारा अवगत कराया गया कि बालगणना में ग्राम रत्तापानी में 6–11 वर्ष के कुल 07 तथा फूलचट्टी में 03 बच्चे, इस प्रकार कुल 10 बच्चे हैं। विद्यालय में क्षेत्र में रह रहे श्रमिकों के बच्चे नामांकित किये गये हैं।

कक्षा 5 की छात्राऐं पूज़ा तथा मानसी हिन्दी की पुस्तक का पैराग्राफ पढ़ सकते हैं। कक्षा 4 के छात्र गोविन्द को अंग्रेजी के अक्षरों को पढ़ने में थोड़ी कठिनाई दृष्टिगोचर हुई।

विद्यालय में सभी बच्चों के लिए पर्याप्त काष्ठोपकरण उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त विद्यालय में पर्याप्त चार्ट एवं शिक्षण अधिगम सामग्री–गिनतारा आदि उपलब्ध हैं।

विद्यालय में दो कक्षा कक्ष, किचन व दो शौचालय निर्मित एवं प्रयोग में हैं। प्रांगण में एक निष्प्रयोज्य शौचालय भी है, जिसे ध्वस्त कर प्रांगण को विस्तारित किया जा सकता है। निरीक्षण के समय विद्यालय में एक भोजनमाता उपस्थित थीं और भोजन की तैयारी कर रहीं थी। उस समय दाल चावल व सब्जी बनाये जाने की तैयारी चल रही थी।

विद्यालय में इस वर्ष राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यकम का कैम्प नहीं लगा है।

सहायक अध्यापक के द्वारा अवगत कराया गया कि क्षेत्र में आने वाले तीर्थ यात्रियों के सहयोग से विद्यालय में पंखे, फर्नीचर, ग्रीन बोर्ड एवं कॉपियों की व्यवस्था की गयी है। जन सहयोग के लिए विद्यालय के अध्यापकों द्वारा सराहनीय प्रयास किया गया है। छात्र संख्या वृद्धि हेतु अध्यापक को सुझाव दिये गये।

5/10/15

(सीमा जौनसारी)
निदेशक,
प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड।

पृ0सं0– स्टा0ऑ0/14539-43/निरीक्षण/2015–16 दिनांक अक्टूबर, 2015।

प्रतिलिपि– निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1 महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2 जिला शिक्षा अधिकारी, प्रा.शि. पौड़ी गढ़वाल।
3 उप शिक्षा अधिकारी, यमकेश्वर, पौड़ी गढ़वाल।
4 प्रधानाध्यापक रा0प्रा0वि0 रत्तापानी, यमकेश्वर, पौड़ी गढ़वाल।
5 कार्यालय प्रति।

(सीमा जौनसारी)

निरीक्षण आख्या

निरीक्षण अधिकारी	–	**सीमा जौनसारी,** **निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड।**
निरीक्षित विद्यालय का नाम	–	**रा0प्रा0वि0 रायवाला स्टेशन, डोईवाला, देहरादून।**
निरीक्षण तिथि	–	**29.09.2015**

विद्यालय में श्री नाथीराम मौर्य प्रधानाध्यापक तथा श्रीमती मधु पुरी सहायक अध्यापिका कार्यरत हैं। निरीक्षणकर्ता विद्यालय में प्रातः 9:30 बजे पहुंची, तत्समय विद्यालय में अधिकांश बच्चे उपस्थित थे और बरामदे में बैठे थे। प्रधानाध्यापक श्री मौर्य प्रातः 9:37 पर तथा सहायक अध्यापिका श्रीमती मधु पुरी 9:51 पर विद्यालय में उपस्थित हुये। प्रधानाध्यापक की वेश–भूषा एवं शारीरिक भाषा इस प्रकार की नहीं थी कि उनका शिक्षा या शिक्षण से कोई संबंध है। बातचीत में भी उनकी अपने कार्य के प्रति उदासीनता ही परिलक्षित हुई। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि वे निकट भविष्य में सेवानिवृत होने वाले हैं। प्रधानाध्यापिका की उदासीनता के दृष्टिगत निर्देशित किया जाता है कि ऐसे अध्यापकों को सेवा विस्तार का लाभ न दिया जाय।

सहायक अध्यापिका लगभग 10 वर्षों से इस विद्यालय में कार्यरत हैं, किन्तु विद्यालय एवं अपने कर्तव्यों के प्रति उनमें भारी उदासीनता पायी गयी। वे अपने देर से आने पर तनिक भर भी लज्जित महसूस नहीं कर रहीं थीं और पूर्ण मनोयोग से कार्य करने का कुतर्क करतीं रहीं।

इस संबंध में निर्देशित किया जाता है कि उप शिक्षा अधिकारी सतत रुप से विद्यालय का अनुश्रवण कर शैक्षिंक नेतृत्व प्रदान करें। यदि एक माह में सुधार नहीं पाया जाता है तो अध्यापिका को प्रशासनिक आधार पर अति दुर्गम श्रेणी के विद्यालय में स्थानान्तिरत कर दिया जाय।

निरीक्षण के दिन विद्यालय की उपस्थिति निम्नवत् थी–

कक्षा	पंजीकृत	उपस्थित	अनुपस्थित
1	13	6	7
2	12	8	4
3	17	8	9
4	16	10	6
5	14	11	3
योग	**72**	**43**	**29**

विद्यालय में तीन कक्षा–कक्ष बने हुए हैं। कक्षों में गंदगी एवं दुर्गध थी। खिड़कियों को बंद करने के लिए ईटों का प्रयोग किया जा रहा है। विद्यालय में बने हुए बच्चों के झूले टूटे हुए थे। विद्यालय में दो शौचालय बने हैं, जिनमें से एक गंदी हालत में पाया गया। पानी की टंकी बनी हुई है। तीसरे कक्ष का कभी उपयोग होना निरीक्षण में परिलक्षित नहीं हुआ।

विद्यालय में रसोई बनी हुई है। रसोई में भारी सीलन थी और ऐसा प्रतीत नहीं हो रहा था कि यहां भोजन तैयार किया जाता है। मध्याहन भोजन हेतु विद्यालय में 5 बोरी

चावल तथा एक कट्टा दाल उपलब्ध थी। विद्यालय कक्ष में ही राशन व दो ग्रेन बिन भी रखे हुए थे।

विद्यालय में कार्यरत शिक्षक विद्यालय ग्रांट के बारे में नहीं बता पाये। विद्यालय के मध्याहन भोजन योजना मद में रु 54,707/– तथा विद्यालय अनुदान हेतु रु 20354/– की धनराशि शेष पायी गयी।

विद्यालय का भौतिक एवं शैक्षिक वातावरण उपयुक्त नहीं पाया गया। कुछ बच्चे गणवेश में नहीं थे। इस वर्ष गणवेश वितरित न होने से अवगत कराया गया। प्रांगण में ही आंगनबाड़ी केन्द्र भी है, किन्तु कुछ बच्चों के छोटे भाई बहन भी विद्यालय में अपने भाई–बहनों के साथ थे।

5/10/15

(सीमा जौनसारी)
निदेशक,
प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड।

पृ0सं0– स्टा0ऑ0/ 14523-26 **/ निरीक्षण/2015–16 दिनांक** 05 **अक्टूबर, 2015।**

प्रतिलिपि– निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1 महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2 जिला शिक्षा अधिकारी, प्रा.शि. देहरादून।
3 उप शिक्षा अधिकारी, डोईवाला, देहरादून।
4 कार्यालय प्रति।

(सीमा जौनसारी)
निदेशक।